PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Dainik Jagran, Delhi**
**Friday 14th March 2014, Page: 10**
**Width: 9.61 cms, Height: 11.64 cms, a4, Ref: pmin.2014-03-14.33.88**

# सन फार्मा के गुजरात प्लांट पर भी अमेरिकी पाबंदी

**एफडीए की कार्रवाई**

- **इम्पोर्ट अलर्ट जारी, मैन्यूफैक्चरिंग नियमों के उल्लंघन का आरोप**

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए अमेरिका में मुसीबत बढ़ती जा रही है। अमेरिकी दवा नियामक एफडीए ने देश की सबसे बड़ी दवा कंपनी सन फार्मा के गुजरात स्थित प्लांट से दवाओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। खाद्य एवं दवा प्रशासन (एफडीए) ने करखैड़ी प्लांट में मैन्यूफैक्चरिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में यह कार्रवाई की है। इससे पहले एफडीए रैनबैक्सी के चार प्लांटों और वोकहार्ट के प्लांटों पर इसी तरह की पाबंदी लगा चुका है।

यूएसएफडीए की वेबसाइट के मुताबिक करखैड़ी प्लांट में बनी दवाओं का भौतिक परीक्षण के बिना अमेरिका में आयात नहीं किया जाएगा। सन फार्मा ने कहा है कि अमेरिकी नियामक ने प्लांट के निरीक्षण के बाद इम्पोर्ट अलर्ट जारी किया है। उसने पाया कि दवाओं के निर्माण में अमेरिकी गुणवत्ता मानक का पालन नहीं किया जा रहा है। कंपनी नियमों का पालन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और सुधार के कदम उठाने की शुरुआत कर दी है। सन फार्मा ने कहा कि इस पाबंदी से कंपनी के कारोबार पर मामूली असर पड़ेगा। कंपनी की आय में इस प्लांट के उत्पादों की हिस्सेदारी काफी कम है। करखैड़ी प्लांट में कंपनी एंटीबायोटिक्स और दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले तत्व (एपीआइ) बनाती है।